VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(10 December 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- डोनाल्ड ट्रंप की नाटो से अमेरिका के संभावित बाहर निकलने की चेतावनी
- उन्नतशील स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' भारतीय नौसेना में शामिल
- भारतीय विदेश सचिव का वर्तमान बांग्लादेश का दौरा
- **MCQ**

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

डोनाल्ड ट्रंप की नाटो से अमेरिका के संभावित बाहर निकलने की चेतावनी:

चर्चा में क्यों है?

- डोनाल्ड ट्रम्प ने 8 दिसंबर को यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध में तत्काल युद्ध विराम का आह्वान किया तथा चेतावनी दी कि वह नाटो से अमेरिका को बाहर निकालने के लिए तैयार हैं।
- ट्रम्प की यह टिप्पणी को ज़ेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच हुई बैठक के बाद आई, जिसे ज़ेलेंस्की ने "रचनात्मक" बताया।

ट्रंप नाटो से अमेरिका को बाहर क्यों निकालना चाहते हैं?

- 8 दिसंबर को प्रसारित एक साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों को अपनी चेतावनी को फिर से दोहराया कि उन्हें नहीं लगता कि उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान पश्चिमी सैन्य गठबंधन में अमेरिका की भागीदारी जारी रहेगी।
- उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रम्प ने लंबे समय से शिकायत की है कि नाटो में यूरोपीय और कनाडाई सरकारें अमेरिका द्वारा सैन्य खर्च पर मुफ्त में लाभ उठा रही

हैं। हालांकि नाटो और इसकी सदस्यों का कहना है कि ब्लॉक के अधिकांश देश अब सैन्य खर्च के लिए स्वैच्छिक लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं, जो कि आंशिक रूप से ट्रंप के पहले कार्यकाल के दबाव के कारण है।

- उल्लेखनीय है कि नाटो संचालन में अमेरिका अब तक का सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जो रक्षा पर लगभग 860 बिलियन डॉलर (अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3.5 प्रतिशत) खर्च करता है जो 2023 में नाटो देशों के कुल व्यय का 68 प्रतिशत है। यह जर्मनी, जो दूसरे सबसे अधिक खर्च करने वाला देश है, से 10 गुना अधिक है।
- जानकारों के अनुसार इस अमेरिकी व्यय का एक बड़ा हिस्सा यूरोप की रक्षा पर जाता है, हालांकि अमेरिकी रक्षा विभाग, पेंटागन सार्वजनिक रूप से यह बताने से इनकार करता है कि यह खर्च कितना है।

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (NATO) क्या है?

- नाटो (NATO) एक पश्चिमी सुरक्षा गठबंधन है जिसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को हुई थी, जिसके 12 संस्थापक सदस्य थे - बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

- इन देशों ने 'वाशिंगटन संधि' पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 से शक्ति मिलती है, "जो स्वतंत्र राज्यों के व्यक्तिगत या सामूहिक रक्षा के अंतर्निहित अधिकार की पुष्टि करता है"।
- NATO गठबंधन के मूल में "सामूहिक सुरक्षा" की अवधारणा है - किसी भी सदस्य पर हमला उन सभी पर हमले के रूप में देखा जाता है और सामूहिक कार्रवाई की मांग करता है।
- उल्लेखनीय है कि 1949 में तत्कालीन USSR और अमेरिका के बीच वैचारिक और आर्थिक श्रेष्ठता को लेकर शीत युद्ध की प्रतिद्वंद्विता के बीच इसे आवश्यक समझा गया था।

सामूहिक सुरक्षा पर वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 का मामला:

- सामूहिक सुरक्षा पर वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 को "उस जोखिम का मुकाबला करने के लिए जोड़ा गया था कि सोवियत संघ पूर्वी यूरोप पर अपने नियंत्रण को यूरोपीय महाद्वीप के अन्य हिस्सों तक बढ़ाना चाहेगा"।
- उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 के तहत नाटो के सभी सदस्यों को मिलकर सीधे सैन्य हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। कार्रवाई का पैमाना प्रत्येक सदस्य देश पर निर्भर करता है "जैसा वह आवश्यक समझे"।

- अब तक इस अनुच्छेद को एकमात्र बार 11 सितंबर 2001 को अमेरिका पर हुए हमले के बाद लागू किया गया था। जब नाटो सेनाओं को अफगानिस्तान भेजा गया और वहां वे लगभग 20 वर्षों तक तैनात रहीं।

नाटो को आज किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है?

- जब नाटो सदस्य 2019 में स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए, तो सदस्यों के बीच स्पष्ट तनाव था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तर्क दिया कि देशों को अपना सैन्य खर्च बढ़ाने की जरूरत है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में, रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद नाटो सदस्यों ने अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने का वादा किया था। हालांकि, केवल कुछ ही देश इस सीमा को पूरा कर पाए।
- हालाँकि ऐसा लगता है कि यूक्रेन-रूस युद्ध ने नाटो को एकजुट होने के लिए एक नया फोकस क्षेत्र दिया है, लेकिन युद्ध के लिए धन देना फिर से सदस्यों के बीच असहमति का एक स्रोत बन गया है।
- क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ-साफ कहा है कि अमेरिका उन देशों की रक्षा नहीं करेगा जो 2 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा नहीं करते हैं, जिससे आने वाले ट्रम्प प्रशासन के तहत नाटो गठबंधन के भविष्य के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

उन्नतशील स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' भारतीय नौसेना में शामिल:

चर्चा में क्यों है?

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 9 दिसंबर को रूस के कलिनिनग्राद में यंतार शिपयार्ड में भारतीय नौसेना के नवीनतम बहु-भूमिका वाले स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस तुशिल को नौसेना में शामिल किया। यह रविवार को शुरू हुई रूसी संघ की उनकी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा का हिस्सा है।
- इस यात्रा के दौरान, रक्षा मंत्री सिंह और रूसी रक्षा मंत्री एंड्री बेलौसोव 10 दिसंबर को मास्को में 'सैन्य और सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग' की 21वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

युद्धपोत 'तुशिल' का क्या अर्थ है?

- 'तुशिल' का अर्थ है 'रक्षक कवच', जबकि इस युद्धपोत का शिखर 'अभेद्य कवचम' का प्रतिनिधित्व करता है।

- अपने आदर्श वाक्य 'निर्भय, अभेद्य और बलशील' के साथ, यह युद्धपोत देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा और सुरक्षा के लिए नौसेना की अमर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तुशिल अब पश्चिमी नौसेना कमान के तहत भारतीय नौसेना के 'स्वॉर्ड आर्म', पश्चिमी बेड़े में शामिल हो गया है।

आईएनएस तुशिल के बारे में हम क्या जानते हैं?

- आईएनएस तुशिल भारतीय नौसेना का नवीनतम बहु-भूमिका वाला स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। यह परियोजना 1135.6 के तहत एक उन्नत क्रिवाक-III श्रेणी का फ्रिगेट है, जिसमें इस श्रेणी के छह जहाज पहले से ही भारतीय नौसेना की सेवा में हैं।
- इन छह जहाजों में तलवार श्रेणी के तीन जहाज और तीन अनुवर्ती तेग श्रेणी के जहाज शामिल हैं। श्रृंखला में सातवां आईएनएस तुशिल दो उन्नत अतिरिक्त अनुवर्ती जहाजों में से पहला है।
- उल्लेखनीय है कि आईएनएस तुशिल दुनिया में सबसे अधिक तकनीकी रूप से उन्नत फ्रिगेट में शुमार है। यह न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि "भारत-रूस साझेदारी की मजबूत सहयोगी ताकत" का भी प्रतीक है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

आईएनएस तुशिल भारतीय नौसेना में क्या क्षमताएं जोड़ेगा?

- आईएनएस तुशिल 125 मीटर लंबा, 3,900 टन वजनी जहाज है, जो घातक है और रूसी और भारतीय अत्याधुनिक तकनीकों और युद्धपोत निर्माण में सर्वोत्तम प्रथाओं का एक प्रभावशाली मिश्रण है। इस जहाज में एक नया डिज़ाइन भी है, जो "इसे बेहतर स्टेल्थ सुविधाएँ और बेहतर स्थिरता विशेषताएँ प्रदान करता है"।
- आईएनएस तुशिल अपने पूर्ववर्तियों से मुख्य रूप से भारतीय मूल की अधिक प्रणालियों के उपयोग के कारण अलग होगा। इनमें पीजे-10 ब्रह्मोस मिसाइल, सोनार सिस्टम, सतह निगरानी रडार, डेप्थ चार्ज रॉकेट लॉन्चर और संचार प्रणाली शामिल हैं। आज, भारतीय उपकरणों की हिस्सेदारी 26% होने का अनुमान है। परियोजना में शामिल मुख्य भारतीय निर्माता हैं: ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केलट्रॉन, नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम्स, एल्कम मरीन, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया और अन्य।

भारतीय विदेश सचिव का वर्तमान बांग्लादेश का दौरा:

परिचय:

- भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री 9 दिसंबर को आधिकारिक यात्रा पर ढाका गए। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की। उन्होंने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ वार्ता भी किया।
- उल्लेखनीय है कि अगस्त माह में प्रधानमंत्री शेख हसीना को विरोध प्रदर्शन के बाद सत्ता छोड़कर भारत आना पड़ा था, उसके बाद विदेश सचिव बांग्लादेश का दौरा करने वाले पहले उच्च पदस्थ भारतीय अधिकारी हैं। साथ ही यह दौरा बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट के समय हो रहा है।

विदेश सचिव के दौरे के दौरान वार्ता के प्रमुख बिन्दु:

- इन बैठकों के दौरान विदेश सचिव ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन पर प्रकाश डाला।

- विदेश सचिव ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में लोग मुख्य हितधारक हैं और उन्होंने कहा कि भारत का विकास सहयोग और बांग्लादेश के साथ बहुआयामी जुड़ाव, जिसमें कनेक्टिविटी, व्यापार, बिजली, ऊर्जा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र शामिल हैं, सभी बांग्लादेश के लोगों के लाभ के लिए हैं।
- उन्होंने हाल ही में हुए कुछ घटनाक्रमों और मुद्दों पर भी चर्चा की और भारत की चिंताओं, खासकर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनयिक संपत्तियों पर हमलों की कुछ अफसोसजनक घटनाओं का भी जिक्र किया।
- विदेश सचिव मिश्री की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बांग्लादेश के विदेश सचिव ने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा "बांग्लादेश का आंतरिक मामला" है।
- उन्होंने उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और बिम्सटेक ढांचे के तहत क्षेत्रीय एकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए परामर्श और सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

विदेश सचिव की यात्रा दोनों देशों के बीच जुड़ाव को मजबूत बनाएगा:

- विदेश सचिव की यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय जुड़ाव को बनाए रखने में मदद करेगी ताकि चिंताओं को दूर किया जा सके और साथ ही संबंधों में महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाया जा सके।

- उल्लेखनीय है कि अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे।
- हिंदुओं पर हमलों और हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद हाल के हफ्तों में संबंध और भी खराब हो गए। पिछले कुछ हफ्तों में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के साथ-साथ मंदिरों पर हमलों की घटनाएं भी हुई हैं, जिससे भारत में गहरी चिंता पैदा हुई है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQs

1. हाल ही में चर्चा में रहे 'नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (NATO)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. NATO गठबंधन के मूल में "सामूहिक सुरक्षा" की अवधारणा है।

   2. USSR के विघटन के बाद इसके सदस्यों की संख्या में वृद्धि लगभग रुक गयी है।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Ans: (a)

2. चर्चा में रहे 'NATO से जुड़े चुनौतियों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   (a) सदस्य देशों में सैन्य खर्च को लेकर मतभेद बना हुआ है।

   (b) अमेरिका का आने वाला ट्रम्प प्रशासन इससे बाहर निकलना चाहता है।

   (c) वर्तमान में नाटो सदस्यता में विस्तार से यूरोप में रूस के साथ परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है।

   (d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

   Ans: (d)

3. चर्चा में रहे 'आईएनएस तुशिल' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अपने पूर्ववर्तियों से मुख्य रूप से भारतीय मूल की अधिक प्रणालियों के उपयोग के कारण अलग है।

2. इसमें भारतीय उपकरणों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत तक है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)

4. हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया नवीनतम युद्धपोत, आईएनएस तुशिल, किस तरह का युद्धपोत है?

(a) डिस्ट्रॉयर

(b) फ्रिगेट

(c) नाभिकीय अटैक पनडुब्बी

(d) विमानवाहक पोत

Ans:(b)

5. भारतीय विदेश सचिव की वर्तमान बांग्लादेश दौरे के महत्व के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह दौरा बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट के समय हो रहा है।
2. इस दौरे इस बात पर बल दिया गया है कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में लोग मुख्य हितधारक हैं।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans: (c)